Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-201

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination August – 2021

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : First

सांख्य–दर्शन–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. योगदर्शनानुसार क्लेशों के नाम, अवस्था और निवारण के उपायों को विस्तार से उल्लेख करें।
2. योगदर्शनानुसारं अविद्या के स्वरूप का वर्णन व्यासभाष्य के सन्दर्भो के अनुकूल प्रस्तुत करें।
3. यमो की संख्या स्वरूप, फलों का विस्तार से विवेचनपूर्वक व्यासभाष्य का प्रमाण उल्लेख करें।
4. योगदर्शन के सूत्रोल्लेख पूर्वक प्रतिपक्षभावना को भाष्यानुसार उल्लेख करें।
5. सांख्यदर्शन के अनुसार करणों की प्रवृति कैसे होती है तथा इन्द्रियवृत्ति के निवृत्ति होने पर आत्मा की स्थिति का उल्लेख करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. योगदर्शन के शौच के स्वरूप और परिपालन में लाभों का प्रतिपादन करें।
2. योगदर्शन के अनुसार प्राणायाम की विवेचना संक्षिप्त रूप से उल्लेख करें।
3. प्रत्याहार का स्वरूप प्रस्तुत करें।
4. समाधिसिद्धिरीश्वरप्रणिधानात् – सूत्र के व्यासभाष्य के अनुसार स्वरूप का उल्लेख करें।
5. सन्तोषादनुत्तमसुखलाभः – सूत्रस्थ श्लोक के अनुसार व्याख्या करें।
6. सभी करणों से प्रयोजन सिद्ध होने पर भी सांख्यदर्शन में बुद्धि को क्यों प्रधान माना गया है।
7. सांख्यदर्शनानुसार जगत् की उत्पत्ति कैसे होती है।

----------X----------